सीनियर सदस्य हैं जो लम्बे-लम्बे वक्तव्य यहां स्पेशल मेंशन में पढ़े जाते है।

**श्री चतुरानन मिश्र:** आप तो पहले ही कह रहे हैं। पहले कहिएगा या बाद में। आप बाद में कह देते।

**उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल):** मैं आपको नहीं कह रहा हूं मैं केवल अपनी जानकारी के लिए पूछ रहा हूं। ऐसा कोई सिस्टम नहीं हो सकता कि इसमें जो समय लगता है वह सब्जेक्ट इंट्रोड्यूज कर दें, उसकी कापी यहां दे दें। वह रिकार्ड का पार्ट हो जाये। कोई ऐसा सिस्टम नहीं हो सकता। आगे के लिए पूछ रहा हूं अभी आपके लिए नहीं कह रहा हूं मैं।

**श्री हेच० हनुमनतप्पा:** आप डिसिप्लिन करना चाहते हैं वह ठीक है। यह डिसिप्लिन हर आइटम पर होना चाहिए। वह डिसिप्लन हम खो बैठे हैं...**(व्यवधान)**

**उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल):** वह आप सुबह बात कीजिएगा मिश्रा जी को बोलने दीजिए।

## Pollution in Amjhore Rohtas District, Bihar, due to effluent discharge by P.P.C.L. Project

**श्री चतुरानन मिश्र** (बिहार): वह बात ठीक है। दो मिनट में आमतौर पर लोगों को खत्म करना चाहिए और अगर नहीं करते हैं तो बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी में इस पर विचार करके एसोसिएट करने के लिए रिटर्न की बात कर लीजिए।

**उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल):** वह हो जाये तो अच्छा रहेगा।

**श्री चतुरानन मिश्र:** मैं इस विशेष उल्लेख के जरिये आपका ध्यान बिहार के रोहतास जिले में अमझोर नाम की जगह में एक गंधक के कारखाने की ओर आकर्षित करना चाहता हूं जो भारत सरकार का है — पी०पी०सी०एल०। उस कारखाने से दूषित पानी निकलता है जिससे 12 गांवों के लोग तबाह हो गये हैं। कुछ गांवों के नाम हैं - नाबादी, खेलाबाद, करमा, कोठी बगहा, मेहरान और अन्य दूसरे गांव। यह पानी इतना दूषित है कि पूरी जमीन ऊसर हो गयी है। जो मवेशी पी लेते हैं उस पानी को या तो मर जाते हैं या अगर उनके पेट में बच्चा रहता है तो गर्भपात हो जाता है। किसान बहुत ज्यादा तबाह है। यह सरकारकृत विपत्ति है। इसीलिए आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करता हूं कि अविलम्ब हस्तेक्षप करके उन किसानों के दुख को दूर करे। धन्यवाद। देखिए, हमने ज्यादा टाइम नहीं लिया।

**उपसभाध्यक्ष (श्री सतीश अग्रवाल):** मैं आपको इसमें नहीं कह रहा था। केवल एक बात मेरे दिमाग में आ रही थी कि जब पढ़ना ही है तो रिकार्ड का पार्ट बना देते हैं और वह विषय इंट्रोड्यूस कर दें तो रेडियो और टी०वी० पर जो आना है वह आ जायेगा और अगर प्रेस को देना है तो रिलीज कर सकते हैं। It will save time so that we can devote more time to real debate.

**श्री चतुरानन मिश्र:** सुझाव अच्छा है आपका। इसको बैठकर तय करेंगे।

**उपसभाध्यक्ष:** ठीक है। संघ प्रिय गौतम।

## Representation of S.C./ST Officers in I.A.S. from State Civil Services in Uttar Pradesh

**श्री संघ प्रिय गौतम** (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, देश के अनेकों राज्यों में गरिमामय पदों की नियुक्तियों और प्रोन्नतियों में पी०सी०एस० और आई०ए०एस० अधिकारियों में प्रायः एक विवाद चला रहता है। हमारे उत्तर प्रदेश में प्रोन्नतियों में 33 प्रतिशत पद तो भरे जाते हैं पी०सी०एस० अधिकारियों से और सीधी भर्ती से जो आई०ए०एस० आते हैं, 67 प्रतिशत उनसे भरे जाते हैं। प्रायः पी०सी०एस० अधिकारियों की शिकायत रही है कि प्रोन्नतियों में और गरिमामय पदों की नियुक्तियों में पी०सी०एस० अधिकारियों के साथ भेदभाव बरता जा रहा है। आये दिन अखबारों में पढ़ने, सुनने और देखने को भी मिलता है। लेकिन कोढ़ में खाज वाली कहावत यह है कि उत्तर प्रदेश में इस तरह से प्रोन्नतियों से भरे जाने वाले पद जो पी०सी०एस० या राज्य की अन्य सेवाओं से भरे जाते हैं, वे 123 चिन्हित पद हैं। पर बड़े ही दुख की बात यह है कि इनमें से एक भी पद आज तक किसी भी अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकारियों से नहीं भरा गया है। मान्यवर, उत्तर प्रदेश में प्रायः अब तक जितनी सरकारें बनी हैं वे अपने को समाजवादी सरकारें कहती हैं और इन वर्गों का हितैषी कहती है लेकिन दुख की बात यह है कि आज तक 123 पदों में से एक भी पद अनुसूचित जाति के पी०सी०एस० या राज्य की अन्य सेवाओं के अधिकारियों से नहीं भरा गया है।